



GOVERNMENT (AUTONOMOUS) GIRLS POST GRADUATE COLLEGE OF EXCELLENCE, SAGAR (M.P.)

(NAAC 'A' Grade Accredited)

07582 404480 heggpgcsag@mp.gov.in www.gggpgcs.com



One Week Workshop on Career Guidance (Pratiyogi Pariksha Ki Taiyari)




आयोजन समिति

- डॉ. प्रतिभा खरे
- डॉ. रश्मि दुबे
- डॉ. सुनीता त्रिपाठी
- डॉ. अंजना चतुर्वेदी
- डॉ. आर. सी. प्रजापति

सलाहकार समिति

- डॉ. सुनील श्रीवास्तव
- डॉ. रेणुवाला शर्मा
- डॉ. सुनीता सिंह
- डॉ. एम.एम. चौकसे

संपर्क - 9406949909, 9425655854, 9425492484

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय सागर (म.प्र.)

नेक द्वारा "ए" ग्रेड प्राप्त
म.प्र. उच्च शिक्षा पुनर्गठन उन्मथन परिषद् (MPHEIP) अंतर्गत
राष्ट्रीय कार्यशाला
(ऑनलाइन एवं ऑफलाइन)

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी : चुनौतियाँ एवं समाधान

समय : दोपहर 2.00 से 5.00 बजे तक
दिनांक - 20.12.2022 से 26.12.2022 तक
IQAC के तत्वाधान में



संयोजक
डॉ. रूला तिवारी
प्रचारक



सह संयोजक
डॉ. आनंद तिवारी
सहायक प्रचारक



सह संयोजक
डॉ. संजय खरे
सहायक प्रचारक



आयोजन समिति
डॉ. अंशु सोनी
सह संयोजक

आयोजन संघतः
जंजीरार हॉल - 01, शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)
मोट-विजीवन नि. सुपुत्र

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी : चुनौतियाँ एवं समाधान

वर्तमान समय में प्रतिस्पर्धा निरंतर बढ़ती जा रही है, किसी भी क्षेत्र में प्रवेश प्राप्त करने के लिए, सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी प्रतिस्पर्धा निरंतर बढ़ती जा रही है। छात्र-छात्रायाँ अपने बेहतर भविष्य, अच्छे कैरियर के लिए लगन के साथ कठिन परिश्रम करते हैं परंतु सफलता कुछ को ही प्राप्त होती है। हम अक्सर देखते-सुनते हैं कि बर्षों से किसी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र का चयन नहीं हो पाता वहीं किसी छात्र को प्रथम प्रयास में ही सफलता मिल जाती है। निश्चित ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी स्कूल-कॉलेज की परीक्षा से भिन्न होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए कठिन परिश्रम, लगन के साथ ही सही मार्गदर्शन, सही रणनीति की भी महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। आज उच्च वर्ग के साथ न केवल शहरी क्षेत्र के वरन ग्रामीण क्षेत्रों के भी निम्न मध्यम वर्गीय, निम्न वर्गीय, छात्र-छात्रायाँ सरकारी नौकरी प्राप्त करने के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं।

किन्तु उनके मन में हमेशा यह भटकाव होता है कि उन्हें किस क्षेत्र में जाना है, किस प्रकार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करनी होगी, परीक्षा का पैटर्न कैसा होगा। पाठ्यक्रम के साथ समय प्रबंधन किस प्रकार होगा आदि विभिन्न प्रश्न छात्रों के मन में होते हैं जिनका उचित समाधान प्रस्तुत करने के लिए "प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी : चुनौतियाँ एवं समाधान" जैसे महत्वपूर्ण समसामयिक विषय पर 07 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है जिसमें हमारा प्रयास छात्र-छात्रायाँ को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे - यू.पी.एस.सी., एम.पी.पी.एस.सी., एस.एस.सी., नेट, रेलवे परीक्षा, रेलवे भर्ती परीक्षा, बैंक भर्ती परीक्षा, पुलिस भर्ती परीक्षा, सेना में भर्ती परीक्षा-एन.डी.ए., सी.डी.एस., सी.आर.पी.एफ., एस.एस.बी., बी.एस.एफ., अग्निवीर तथा एम.पी.पी.ई.बी.द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं की समुचित जानकारी देना तथा विद्यार्थियों की प्रतियोगी परीक्षा संबंधी आशंकाओं का समाधान करना है। हमारा प्रयास छात्र-छात्रायाँ को सफलता हेतु सही रणनीति बनाकर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रोत्साहित करना है।







एक नजर में

नवभारत



प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान

सागर . शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. असफ़ाक सिद्दीकी ने कहा कि नए व्यवसाय के लिए एक निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है. आलोक सिंह टाकुर ने शासकीय क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी. प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज ज्ञान न समझें, वरन् उसे अपने जीवन में उतारें. डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझाकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं. सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने संचालन किया. आभार सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना.



प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियां एवं समाधान विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला

प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान है: डॉ. सिद्धीकी



पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर गर्ल्स डिग्री कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, चुनौतियां एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता इन्फिनिटी कॉलेज के डॉ. अशफाक सिद्धीकी ने व्यवसायिक प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। नए व्यवसाय के लिए एक

निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता आलोक सिंह ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में अवसरों की कमी और चाहने वाले लोग ज्यादा हैं, इसलिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो गई है। अतः आप अपनी क्षमताओं को पहचानने व लक्ष्य निर्धारित करें, जीवन में कुछ भी असम्भव नहीं है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज

ज्ञान न समझें, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारें। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रही डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं। कार्यशाला सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने कहा कि तभी तक कठिनाई है, जब तक कि जानकारी का अभाव हो। यह कार्यशाला आपकी इस समस्या का समाधान करेगी। आभार आयोजन सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना।

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए एनसीईआरटी की किताबों को पढ़ने और नोट्स बनाने की आदत भी डालें : शुक्ला

भास्कर संवाददाता | सागर

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला ने प्रतिभागियों को यूपीएससी की

तैयारी के लिए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा एनसीईआरटी किताबों को पढ़ने एवं नोट्स बनाने की आदत बनाएं। साथ ही कहा कि एक औसत दर्जे का विद्यार्थी भी अपनी लगन, आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विशिष्ट अतिथि कमलेश मनरेगे ने प्रतिभागियों को सफलता के लिए इयूटी, डेडीकेशन एवं डिसिप्लिन का अनुसरण करने की बात कही।

अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि सफलता उसी को मिलती है, जिसने अपने आपको उसके कबिल बनाया है। वहीं डॉ. संजय खरे ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को निश्चित कर सही रणनीति बनाकर सफलता प्राप्त करने में मार्गदर्शक साबित होगी। कार्यशाला को समन्वयक डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. अंशु सोनी, डॉ. केके राव ने भी संबोधित

किया। डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि छात्राओं के कैरियर निर्धारण में यह कार्यशाला उपयोगी सिद्ध होगी। इस दौरान डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. एमएम चौकसे, डॉ. प्रतिमा खरे, डॉ. एच अंसारी, डॉ. रजनी दुबे, डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. निशा इंद्र गुरू, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. अपर्णा चाचौंदिया, डॉ. रश्मि माथुर सहित पूरा महाविद्यालय परिवार मौजूद रहा। आभार डॉ. दीपा खटीक ने माना।

अपनी कमियों को खोजो और उनका सामना करो

नवभारत न्यूज

सागर 21 दिसंबर. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि छात्राएँ इस कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त कर सकती हैं.

उन्होंने ने कहा कि अपनी कमियों को खोजें और उनका सामना करें। कार्यशाला में वक्ता सचिन चौरसिया ने प्रतिभागियों



को बैंकिंग, रेलवे, एस.एस.सी. परीक्षाओं की विस्तृत जानकारी दी. अध्यक्षता कर रहीं डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से हमारी छात्राएँ निश्चित रूप से लाभांविता होंगी. संचालन सचिव लेफिनेंट डॉ. अंशु सोनी ने किया. आभार कार्यशाला सह-समन्वयक

डॉ. संजय खरे ने माना.

कार्यशाला में डॉ. अंजना चतुर्वेदी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. अपर्णा चाचौंदिया, डॉ. पहलाद अहिरवार, डॉ. सीमा रैकवार, डॉ. पूनम कोहली, डॉ. निक्की बांगर, डॉ. राखी खटीक, पुष्पेंद्र पाण्डेय, अक्षय दुबे, अपूर्व दुबे, श्रीमति प्रीति गौतम उपस्थित रहीं.

किचनरोड
निरीक्षण

अपने लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहें : द्विवेदी

सागर, आचरण संवाददाता।

र निगम क्षेत्र में
ह में संलग्न
स समिति के
व कलेक्टर
कार्यपालन
त कितित
कलेक्टर
में भोजन
करण की
भण्डर
भार हेतु
रा में
ग का
ह में
को
क्या।
कता
हई
गाह
न
रा

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर
उत्कृष्ट महाविद्यालय सागर में
'प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी:
चुनौतियाँ एवं समाधान' विषय पर
आयोजित हो रही है। द्विवेदीय राष्ट्रीय
कार्यशाला के चौथे दिवस के प्रथम
सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. आर.सी.
प्रजापति ने यू.पी.एस.सी. एवं
एम.पी.सी. एस.सी. के सिलेबस को
विस्तार पूर्वक समझाते हुए कहा कि
सर्वप्रथम रणनीति तैयार करें फिर
पढ़ाई शुरू करें एवं अपडेटेड रैंक तभी
लक्ष्य को प्राप्त होगी।

ऐसा ओजस एकेडमी से ऑनलाइन
जुड़े प्रभाकर द्विवेदी ने यू.पी.एस.सी.
परीक्षाओं की तैयारी पर विस्तृत
जानकारी देते हुए कहा कि अपने
लक्ष्य के प्रति ईमानदार रहें, नियमित
होकर अपने शिक्षक से विषय पर
चर्चा करें इससे अपना ज्ञान विस्तृत
होगा।
अध्यक्षता कर रही डॉ. सुनीता त्रिपाठी
ने कहा कि आपके कैरियर की तैयारी
के लिए मार्गदर्शकों द्वारा जो मार्गदर्शन
दिया जा रहा है उस पर चले आप



जानकारी देते हुए विभिन्न फैलैशिप
के बारे में बताया महाविद्यालय की
प्राचार्य डॉ. इल तिवारी ने कहा कि
नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित
होकर अपने शिक्षक से विषय पर
चर्चा करें इससे अपना ज्ञान विस्तृत
होगा।
अध्यक्षता कर रही डॉ. सुनीता त्रिपाठी
ने कहा कि आपके कैरियर की तैयारी
के लिए मार्गदर्शकों द्वारा जो मार्गदर्शन
दिया जा रहा है उस पर चले आप

निश्चित रूप से लक्ष्य प्राप्त होंगे।
संचालन कर रही कार्यशाला आयोजन
सचिव डॉ. अंशु सोनी ने कहा कि
अक्सर उसी को मिलता है जिसमें
काबिलियत होती है यह कार्यशाला
आपको इन्हीं खुबियों को निखारने के
लिए आयोजित की जा रही है। अंत में
आभार कार्यशाला सह समन्वयक डॉ.
संजय खरे ने माना।
कार्यशाला में लगभग 300 छात्राओं
ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतियोगी परीक्षा संबंधी अपनी
आशंकाओं का समाधान प्राप्त किया।
कार्यशाला में डॉ. अंजना चतुर्वेदी,
डॉ. शिम दुबे, प्रसुक जैन डॉ. अपर्णा
चांचोदिया, डॉ. हरिओम सोनी, डॉ.
प्रहलद अहिरवार, डॉ. पूनम कोहल्ले,
डॉ. सीमा रैकवार, डॉ. निक्की बांगर,
डॉ. राखी खटीक, मातण्ड सिंह
राजपूत, अजय सेन सहित
महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

सागर, आचरण संवाददाता।

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर
उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर में
म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन
परियोजना अंतर्गत 'प्रतियोगी
परीक्षाओं की तैयारी : चुनौतियाँ एवं
समाधान' विषय पर सात दिवसीय
राष्ट्रीय कार्यशाला 20.12.2022 से
26.12.2022 तक का शुभारंभ
आयुक्त, चंद्रशेखर शुक्ल, नगर
निगम, सागर के मुख्य आतिथ्य एवं
कमलेश मनरोगे, प्रबंधक, जिला उद्योग
के विशिष्ट आतिथ्य में मौ. सरस्वती
की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप
प्रज्वलित कर किया गया। डॉ. प्रेम
चतुर्वेदी के निर्देशन में संगीत विभाग
को छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की
प्रस्तुती की गई। कार्यक्रम का

संचालन आयोजन सचिव लेफ्टिनेंट
डॉ. अंशु सोनी ने करते हुए कहा कि
बड़ी कामयाबी पाने के लिए छोटे-
छोटे बदलाव करना चाहिए।
कार्यशाला समन्वयक डॉ. आनंद
तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन देते
हुए कहा कि हमारे आमंत्रित अतिथि
छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में
पथ-प्रदर्शक की भूमिका निभाएंगे।
कार्यशाला की रूपरेखा एवं उद्देश्य
प्रस्तुत करते हुए सह-समन्वयक डॉ.
संजय खरे ने कहा कि यह कार्यशाला
विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को
निश्चित कर सही रणनीति बनाकर
सफलता प्राप्त करने में मार्गदर्शक
होगी। विशिष्ट अतिथि कमलेश मनरोगे
ने प्रतिभागियों को सफलता के लिए
तीन डी (इंटी, डेटेकिशन एवं
डिलीवरी) का अनुसरण करने की

परामर्श देते हुए कहा कि छात्र
पुस्तकालय में जाने की आदत डालें,
ग्रुप डिस्कशन करें, इससे उन्हें सही
जानकारी प्राप्त होगी। इसके पश्चात्
मुख्य अतिथि आयुक्त चंद्रशेखर
शुक्ल ने प्रतिभागियों को
यू.पी.एस.सी. की तैयारी की विस्तृत
जानकारी दी।
एम.सी.आर.टी. जैसी अच्छी किताबों
को पढ़ने एवं नोट्स बनाने के लिए
प्रेरित करते हुए कहा एक औसत दर्जे
का विद्यार्थी भी अपनी लगन,
आत्मविश्वास एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से
किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता
है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए
प्राचार्य डॉ. इल तिवारी ने कहा कि
सीभाग्य उसी को मिलता है जिसने
अपने आपको उसके काबिल बनाया
है, यह कार्यशाला छात्राओं को अपना

भविष्य का लक्ष्य निर्धारित करने एवं
आशंकाओं को दूर करने में मील का
पत्थर साबित होगी। द्वितीय सत्र के
मुख्य वक्ता डॉ. के.के. राव ने कहा
कि संकल्प में कोई भी विकल्प नहीं
होना चाहिए।
सकारात्मक सोच से निस्तर बढ़ते रहे
तो सफलता निश्चित मिलती है।
द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रही डॉ.
सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि छात्राओं
के कैरियर निर्धारण में यह कार्यशाला
उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यशाला के
अंत में उपस्थित सदस्यों के प्रति
आभार डॉ. दीपा खटीक ने माना।
कार्यशाला में लगभग तीन सौ छात्राओं
ने पंजीयन करते हुए अपनी
सहभागिता की एवं विषय विशेषज्ञों से
अपनी मन की आशंकाओं का
निवृत्त किया।



प्रबंधन ही व्यवसाय की समस्याओं का समाधान

सागर. शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में डॉ. असफाक सिद्दीकी ने कहा कि नए व्यवसाय के लिए एक निश्चित नीति, समय प्रबंधन एवं व्यवहारिक कार्य क्षमता होना आवश्यक है. आलोक सिंह टाकुर ने शासकीय क्षेत्र में रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी. प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि जो किताबी ज्ञान है उसे महज ज्ञान न समझें, वरन् उसे अपने जीवन में उतारें. डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि रटकर, समझकर एवं अभ्यास करके ही आगे बढ़ सकते हैं. सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने संचालन किया. आभार सचिव डॉ. अंशु सोनी ने माना.

सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

सागर, आचरण संवाददाता।

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर म.प्र. में 20.12.2022 से प्रारंभ हुई "प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी- चुनौतियाँ एवं समाधान" विषय पर आधारित सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के अंतिम दिवस में समापन समारोह का आयोजन के.पी. सिंह, नगर पुलिस अधीक्षक के मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य डॉ. इला तिवारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. आनंद तिवारी ने अपने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यशाला छात्रों का मार्गदर्शन देने के अपने लक्ष्य में सार्थक हुई है। आयोजन सचिव ले.डॉ. अंशु सोनी ने इस सात दिवसीय कार्यशाला का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए छात्राओं से कहा कि आपने इन सात दिवसों में विषय-विशेषज्ञों से जो सीखा है, उसे आत्मसात् करें और लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ें। मुख्य अतिथि के.पी. सिंह ने उद्बोधन में छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक समस्या का समाधान खुद व्यक्ति के पास होता है, जैसे ही हम समस्या के पास जाते हैं, समस्या का समाधान स्वतः ही हो जाता है। प्रतियोगिता से डरें नहीं, उसका सामना करें। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि प्राशुक जैन ने कहा कि डिजायर पर सृष्टि नहीं चलती, सृष्टि चलती है डिजर्विंग से, इसलिए मेहनत पर विश्वास करो। प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि यह कार्यशाला एक शुरुआत है, जो छात्रों के लक्ष्य निर्धारण में मार्गदर्शक होगी। भविष्य में भी महाविद्यालय में इस प्रकार के प्रयास जारी रहेंगे। कार्यशाला का कुशल संचालन डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने करते हुए कहा कि पढ़कर, लिखकर एवं समझकर अध्ययन करने से लक्ष्य प्राप्त करने में सफलता मिलती है। अंत में आभार व्यक्त करते हुए सह-समन्वयक डॉ. संजय खरे ने कहा कि इस कार्यशाला से प्रेरित होकर यदि एक छात्रा भी सफल होती है, तो यह कार्यशाला सार्थक होगी।

आपने कहा कि जिसके पास विश्वास है, वह कभी नहीं हारता। कार्यशाला के समापन पर उपस्थित अतिथियों के मार्गदर्शन में छात्राओं द्वारा 'युवा-नीति जागरूकता' हेतु रैली निकाली गई। इस अवसर पर लगभग 300 प्रतिभागी छात्राएँ एवं डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. आर.सी. प्रजापति, अनुराग चौरसिया, डॉ. अपर्णा चाचैदिया, डॉ. हरिओम सोनी, डॉ. निक्की बांगर, डॉ. पुनम कोहली, कु. शुभांजलि रैकवार, कु. राखी खटीक, कृष्णाकांत, तेजस कटारे, अक्षय दुबे, पुष्पेन्द्र पाण्डेय, मार्तण्ड सिंह, अपूर्व दुबे, संजय सेन, सुनील रैकवार उपस्थित थे।

